<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), उत्तर प्रदेश, लखनऊ

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) द्वारा उत्तर प्रदेश में राज्य वित्त की स्थिति तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य अभिशासन पर परिसंवाद का आयोजन

लखनऊ, 24 मई 2026

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) का कार्यालय, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) के सहयोग से, **दिनांक 25 मई 2026** को **अपराह्न 2:00 बजे से 5:00 बजे** तक **मालवीय सभागार, गेट नं. 2, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ** में एक परिसंवाद का आयोजन करेगा। यह कार्यक्रम कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), उत्तर प्रदेश द्वारा राज्य नोडल कार्यालय के रूप में, राष्ट्रीय सीएजी–आइसीएसएसआर परिसंवाद श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

परिसंवाद में दो महत्त्वपूर्ण एवं सार्वजनिक प्रासंगिकता के विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा: **"उत्तर प्रदेश के वित्त की स्थिति"** तथा **"सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना एवं स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन"**। प्रथम विषय के अंतर्गत सीएजी के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में परिलक्षित राजस्व प्रवृत्तियों, व्यय प्रतिरूपों, घाटा प्रबंधन तथा सार्वजनिक व्यय की गुणवत्ता सहित राज्य की राजकोषीय स्थिति की विवेचना की जाएगी। द्वितीय विषय, उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना की पर्याप्तता तथा स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी की प्रभावशीलता से संबंधित लेखापरीक्षा निष्कर्षों पर आधारित होगा, जिसमें प्रणालीगत कमियों, शासन संबंधी चुनौतियों एवं तत्संबंधी नीतिगत अनिवार्यताओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दोनों विषय मिलकर उन मुद्दों पर संरचित शैक्षणिक एवं नीतिगत संवाद का अवसर प्रदान करते हैं, जिनका राज्य में सार्वजनिक कल्याण एवं अभिशासन के लिए महत्त्वपूर्ण निहितार्थ है।

परिसंवाद में **श्री राजीव कुमार पाण्डेय, आइएएएस, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), उत्तर प्रदेश, लखनऊ; डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आइएएएस, महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तर प्रदेश, प्रयागराज; श्री लोकेश चौधरी, आइएएएस, उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), उत्तर प्रदेश, प्रयागराज; प्रो. धनंजय सिंह, सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; डॉ. नगेन्द्र कुमार मौर्य, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ; तथा डॉ. नोमिता पी. कुमार, गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ** की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

परिसंवाद में लखनऊ विश्वविद्यालय, गिरि विकास अध्ययन संस्थान तथा अन्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ-साथ भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग (आइएएडी) के अधिकारियों के भाग लेने की संभावना है।

सीएजी–आइसीएसएसआर सहयोग, देश की सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्था एवं शैक्षणिक समुदाय के मध्य एक स्थायी संपर्क-सेतु निर्मित करने का प्रयास करता है। लेखापरीक्षा निष्कर्षों को शैक्षणिक विमर्श के केंद्र में रखकर यह पहल, राजकोषीय अभिशासन एवं जवाबदेही की सार्वजनिक समझ को सुदृढ़ करने, साक्ष्य-आधारित नीति अनुसंधान को प्रोत्साहित करने तथा लेखापरीक्षा अंतर्दृष्टि एवं सामाजिक विज्ञान शोध के मध्य एक ज्ञान-सेतु निर्मित करने का लक्ष्य रखती है।

लखनऊ परिसंवाद, चल रही **सीएजी–आइसीएसएसआर परिसंवाद श्रृंखला** का भाग है जो नवंबर 2025 से नवंबर 2026 के मध्य 28 राज्यों एवं 3 केंद्र-शासित प्रदेशों में आयोजित होने वाली एक एक-वर्षीय राष्ट्रीय पहल है। प्रत्येक परिसंवाद, संबंधित राज्य के पीएजी/एजी कार्यालय द्वारा आइसीएसएसआर के समन्वय से आयोजित किया जाता है, जिसमें राज्य-विशिष्ट लेखापरीक्षा निष्कर्षों एवं स्थानीय नीतिगत प्रासंगिकता के विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

इस सहयोग के अंतर्गत **सीएजी–आइसीएसएसआर शोध लेख प्रतियोगिता** की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं युवा अध्येताओं को सीएजी के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के विश्लेषणात्मक अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करना है। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप अनुसंधान-उन्मुख शिक्षण को बढ़ावा देती है तथा देश भर से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ योगदानों को पुरस्कृत कर एक राष्ट्रीय ज्ञान प्रकाशन के रूप में संकलित किया जाएगा।

सीएजी–आइसीएसएसआर परिसंवाद श्रृंखला, राजकोषीय अभिशासन एवं सार्वजनिक सेवा प्रदायगी के विषयों पर अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुविचारित सार्वजनिक विमर्श की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। लेखापरीक्षकों, शिक्षाविदों एवं नीति-निर्माताओं को एक मंच पर लाकर यह पहल सुनिश्चित करती है कि सार्वजनिक लेखापरीक्षा से प्राप्त अंतर्दृष्टि, साक्ष्य-आधारित शोध, रचनात्मक नीतिगत संवाद तथा अधिक जागरूक एवं सक्रिय नागरिक समाज के निर्माण में योगदान दे।

* * *